10. बंदर गया खेत में भाग

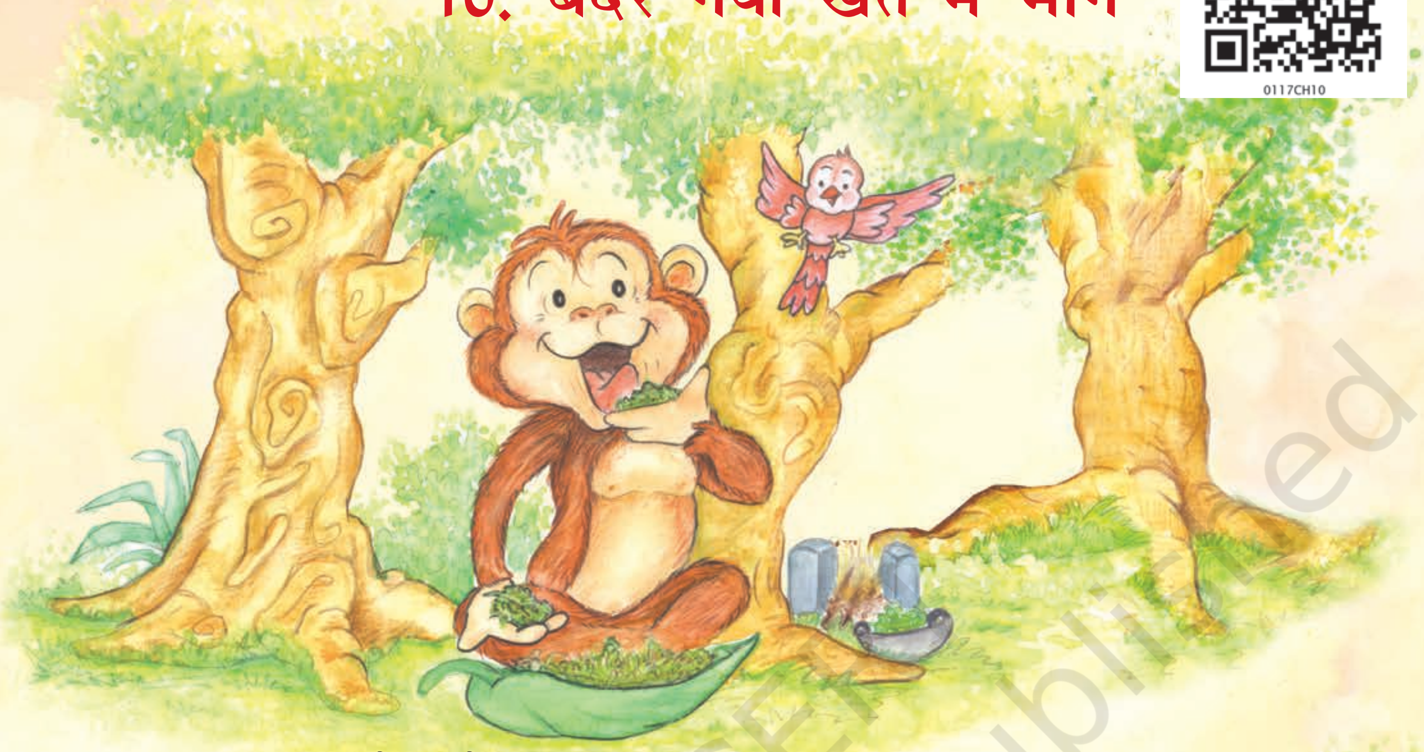

बंदर गया खेत में भाग,
चुट्टर-मुट्टर तोड़ा साग।

आग जलाकर चट्टर-मट्टर,
साग पकाया खद्दर-बद्दर।

सापड़-सूपड़ खाया खूब,
पोंछा मुँह उखाड़कर दूब।

चलनी बिछा, ओढ़कर सूप,
डटकर सोए बंदर भूप।

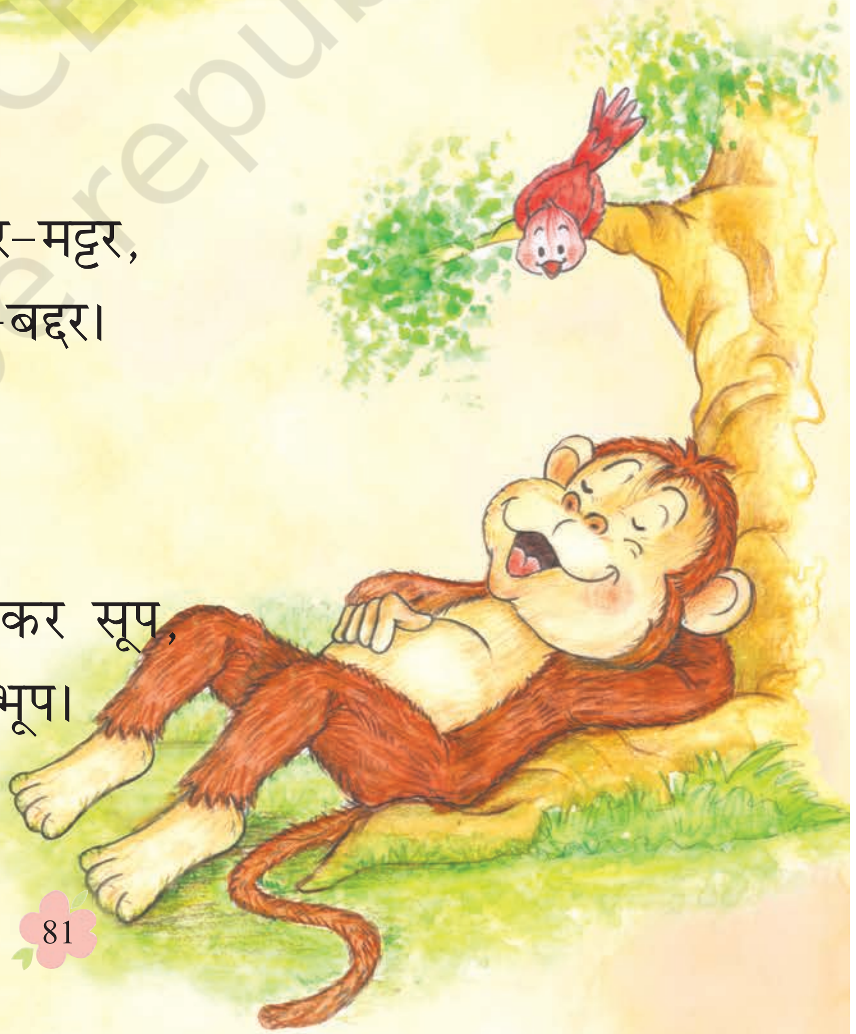

© NCERT not to be republished

क्या बिछाया, क्या ओढ़ा?

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया।
लिखो, ये कैसे सोएँगे?

		क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी	:	....	....
चींटी	:	....	....
गिलहरी	:	....	....
शेर	:	....	....

मेरे लिए भी तो कुछ सोचो
मैं क्या ओढ़ूँ ? क्या बिछाऊँ ?

झटपट झटपट, खटपट खटपट

साग पकाया	खद्दर बद्दर
खाया सबने	....
पानी पिया	....
मारे खर्राटे	....
गिरे पलंग से	....

© NCERT not to be republished

भागो, भागो, भागो!!

बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन-कौन से काम करने के बाद तुम्हें भागना पड़ता है?

....

....

....

....

....

इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।

© NCERT not to be republished